फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 294 प्रभात जयपुर, रविवार 26 मई, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

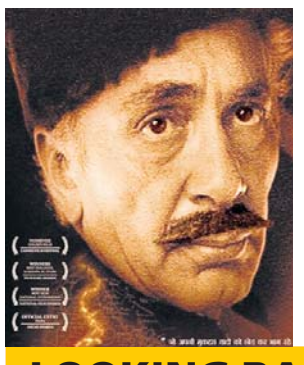

LOOKING BACK ON GARM HAWA

Should he have left in 1947 itself? Where is home, and what does it mean to be a 'Muslim in India?' The movie's original title was *Wahaan*.

You Need New Skills to Make a Career Pivot

Mini-Neptune in Double Star System is a Planetary Puzzle

'इण्डिया गठबंधन अपने मुस्लिम वोट बैंक का गुलाम है, उनके लिये मुजरा करने को तैयार''

प्र.मंत्री के, बिहार की बक्सर, कराका व पाटलीपुत्र में आयोजित आमसभा में व्यक्त इन विचारों को विपक्ष ले उड़ा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मई। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आज बिहार की तीन रैलियों में की गई टिप्पणियों से विपक्ष के नेता नाराज़ और परेशान हैं। प्रधानमंत्री ने इस रैलियों में कहा कि, ''विपक्ष मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन हासिल करने के लिए ''मुजरा'' कर रहा है।''

प्रधानमंत्री ने चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस और क्षेत्रीय पार्टियों के नेताओं पर बेलगाम आरोप लगाए। उन्होंने ''मछली, मटन या मंगलसूत्र संबंधी टिप्पणियां करते हुए कहा कि विपक्ष को मुस्लिम वोट बैंक की जरूरतों की चिंता है।

भाजपा नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की एक पुरानी स्पीच खोज निकाली है, जिसमें उन्हें उद्धृत करते हुए कहा गया है कि ''देश के संसाधनों के वितरण में पहली प्राथमिकता मुस्लिम होंगे।''

कांग्रेस इस बात से इन्कार किया कि यह टिप्पणी मनमोहन सिंह की है। पार्टी ने कहा कि, भाजपा हिन्दू वोंटों को लामबंद करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री की टिप्पणियों को तोड़मरोड़कर पेश कर रही है।

- **परंतु प्रशांत किशोर ने कुछ ठण्डे छांटे देने का प्रयास किया कि, प्र.मंत्री का मूल ''सपोर्ट बेस'' अभी दृढ़ता से उनके साथ है तथा उनके द्वारा तीन सभाओं में दी गई ''उत्तेजनात्मक'' टिप्पणियों की जरूरत नहीं थी। इस टिप्पणियों से मोदी के वोट बैंक में कुछ वृद्धि नहीं होगी।**
- **इण्डिया गठबंधन के नेताओं पर मोदी की टिप्पणियों के बारे में विपक्षी पार्टियों ने कड़ा आक्रमक रवैया अख्तियार किया और कहा कि, मोदी की मानसिक स्थिति चिंताजनक है तथा भाजपा अध्यक्ष नड्डा को उनका इलाज कराना चाहिए और दवा दिलानी चाहिए। प्रियंका गांधी, पवन खेड़ा, प्रियंका चतुर्वेदी, मनोज झा ने मोदी को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभ कामनाएं भेजीं।**
- **प्र.मंत्री ने बिहार की तीन आम सभाओं में कहा था कि, इण्डिया गठबंधन, एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के अधिकारों पर डाका डाल कर, मुसलमानों को देना चाहते हैं। वे अपने मुसलमान वोट बैंक के इतने गुलाम हैं कि, अपने इस वोट बैंक लिये मुजरा करने को तैयार हैं।**

चुनाव रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने हाल ही एक साक्षात्कार में कहा था कि सांप्रदायिक पुट लिए हुए मोदी के बयानों से भाजपा के वर्तमान जनाधार में कोई इजाफा होने वाला नहीं है, लेकिन ये बयान भाजपा समर्थकों और वोटर्स को सक्रिय करने के अपने उद्देश्य में सफल रहे है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बक्सर, कराका और पाटलीपुत्र निर्वाचन क्षेत्रों में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के अधिकारों को मुसलमानों को सौंप देने की इण्डिया गठबंधन की योजनाओं को सफल नहीं होने देंगे। वे उनके गुलाम बने रहेंगे और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए ''मुजरा'' करेंगे।

प्रधानमंत्री की टिप्पणियों की विपक्ष के नेताओं ने कटु आलोचना की है। प्रियंका गांधी ने ''अभद्र भाषा'' का प्रयोग करने व अपने पद की गरिमा ना बनाए रखने को लेकर प्रधानमंत्री की भर्त्सना की है। कांग्रेस के सीनियर नेता पवन खेड़ा ने भाजपा नेताओं जे.पी. नड्डा और अमित शाह को सलाह दी है कि वे मोदी का तुरंत इलाज करवाएं। उन्होंने कहा कि ''मोदी जी, यह क्या दिमागी हालत है? आप कुछ लेते क्यों नहीं?'' शिव सेना (उद्धव ठाकरे) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री मोदी की वायरल क्लिप को शेयर करते हुए लिखा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मलिंगा के खिलाफ केस की सुनवाई हाई कोर्ट में होगी

जयपुर, 25 मई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिजली विभाग के ए.ई.एन. से मारपीट के मामले में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा के खिलाफ निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है।

- **यह मामला बाड़ी के तत्कालीन विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा द्वारा बिजली विभाग के ए.ई.एन. को पीटे जाने से संबंधित है। हाई कोर्ट ने मामले की निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है।**

इसके साथ ही अदालत ने मामले की स्टेटस रिपोर्ट तलब करते हुए मलिंगा सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश पीड़ित हर्षाधिपति की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में कहा गया कि, उसने बाड़ी के तत्कालीन विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने अब मामले में आरोप पत्र पेश कर दिया है और मामले की सुनवाई धौलपुर की निचली अदालत कर रही है। याचिका में कहा गया कि, मलिंगा प्रभावशाली व्यक्ति हैं। मामले में जमानत मिलने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रशांत किशोर ने अपनी भविष्यवाणी में थोड़ा परिवर्तन किया

अपने आकलन को योगेन्द्र यादव की भविष्यवाणी से मेल कराते हुए कहा, भाजपा 240-260 सीटों पर जीतेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मई। प्रशांत किशोर, जिन्होंने लोकसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में भविष्यवाणी की है सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है, ने योगेन्द्र यादव की सीटों से सम्बंधित भविष्यवाणी का समर्थन किया है।

चुनाव विश्लेषक से राजनेता बने योगेन्द्र यादव ने भविष्यवाणी की है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चल रहे लोकसभा चुनावों में 240-260 सीटें जीतेगी।

यादव के मुताबिक, वर्तमान लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के लिए थोड़ी सी उम्मीद की किरण यह होगी कि वह लगभग 100 सीटें प्राप्त कर सकती है।

इससे पूर्व, प्रशांत किशोर ने घोषणा की थी कि भाजपा इस बार भी लोकसभा का चुनाव जीतेगी। आज उन्होंने कहा कि भाजपा 240-260 के बीच में सीटें प्राप्त करेगी और उसके गठबंधन के दल 34-45 तक सीटें प्राप्त करेंगे इसका मतलब यह हुआ कि एन.डी.ए. की कुल सीटों की संख्या 275 से 305 के बीच में रह सकती है।

किशोर ने एक्स पर लिखा ''जो लोग चुनावों के बारे में एवं देश के सामाजिक -राजनीतिक मुद्दों के बारे में समझ रखते हैं उनमें एक विश्वसनीय शख्सियत हैं, योगेन्द्र यादव, उन्होंने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों का ''अन्तिम अनुमानित आंकलन'' साझा किया है।

योगेन्द्र जी के अनुसार, भाजपा इन चुनावों में 240-260 सीटों पर अपनी विजय दर्ज कर सकती है तथा इन चुनावों में एन.डी.ए. के सहयोगी दल 35-45 सीट तक जीत सकते हैं। इसका मतलब भाजपा/ एन.डी.ए. को 275-305 तक सीटें प्राप्त हो सकती हैं। देश में सरकार का गठन करने के लिए कुल 272 लोकसभा सीटों की जरुरत है और वर्तमान समाप्त हो रही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पर प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि, भाजपा के सहयोगी दल 34 सीटों पर जीतेंगे, जिससे एन.डी.ए. का फाइनल आंकड़ा 275 व 305 सीटों के बीच रहेगा और भाजपा सरकार बनायेगी।**
- **इस नये आकलन से पहले प्रशांत किशोर ने एक चैनल को दिये इन्टरव्यू में कहा था कि, मोदी सरकार के खिलाफ जमीन पर खास संगठित असंतोष नहीं है, थोड़ी बहुत नाराज़गी हो सकती है, जिस के कारण भाजपा 370 का महत्वकांक्षी लक्ष्य नहीं पा सकेगी।**
- **योगेन्द्र यादव के अनुसार कांग्रेस 85-100 सीटों पर जीत सकती है तथा इण्डिया ब्लॉक, जो भाजपा के विजय रथ को रोकने की आशा करता है, 120-135 तक सीमित रह जायेगा।**
- **अमेरिकी सैफॉलजिस्ट ईअन ब्रैमर का कहना है, भाजपा 295-315 सीटें जीतेगी।**
- **गत चुनाव में भाजपा ने 303 सीटें जीती थीं, पर, अब 370 सीटें जीतने के लिये उसे तमिलनाडू, केरल, बंगाल व तेलंगाना में भारी सफलता हासिल करनी होगी।**

पूरे देश में सबसे गर्म रहा फलौदी, पारा 50 डिग्री पहुँचा

बाड़मेर में अधिकतम तापमान 48.8 डिग्री, जैसलमेर में 48 डिग्री, बीकानेर में 47.2 डिग्री, चूरू में 47 डिग्री, जोधपुर में 46.9 डिग्री दर्ज किया गया

नई दिल्ली, 25 मई। उत्तर भारत के कई राज्यों में गर्मी अपने पूरे शबाब पर है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में गर्मी से जनता बेहाल है। मौसम विभाग की मानें तो राजस्थान में पारा 50 तक पहुंच गया है। वहीं गुजरात और महाराष्ट्र के कई जिलों में पारा 45 के पार पहुंच गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान में के फलौदी 50 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म स्थान दर्ज किया गया। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 48.8 डिग्री, जैसलमेर में 48 डिग्री, बीकानेर में 47.2 डिग्री, चूरू में 47 डिग्री, जोधपुर में 46.9 डिग्री, गंगानगर में 46.5 डिग्री, कोटा में 46.3 डिग्री और राजधानी जयपुर में 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पश्चिम मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में लू चलने की स्थिति

- **कोटा में अधिकतम तापमान 46.3 डिग्री और राजधानी जयपुर में 43.8 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया।**
- **दिल्ली में नजफगढ़ सहित कई शहरों में तापमान 47 डिग्री सैल्सियस के आस-पास दर्ज किया गया।**

बनी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, हरियाणा-चंडीगढ़ दिल्ली और विदर्भ में लू की स्थिति बनी रही। गुजरात क्षेत्र में 15 मई से और हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और राजस्थान में 17 मई से लू की स्थिति बनी हुई है।

लोग बेसब्री से मॉनसून की बारिश का इंतजार कर रहे हैं। मॉनसून की स्थिति की बात करें तो दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आज 25 मई को दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम और मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों और पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ा। उम्मीद है कि मॉनसून 31 मई तक देश में प्रवेश कर जाएगा।

उत्तर भारत के अन्य राज्यों की बात करें तो हरियाणा के साथ-साथ राजधानी दिल्ली में भी लोगों को भीषण गर्मी की मार झेलनी पड़ रही है। हरियाणा के हिसार में पारा 44.8 डिग्री तो वहीं नरनौल में 45 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी दिल्ली में पारा 47 के करीब पहुंच गया है। दिल्ली के नजफगढ़ में 46.8, आर्यनगर में44.8, पालम में 44.6 और सफदरजंग में 43.4 रहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जालोर में भीषण गर्मी, तीन मरे

जालोर, 25 मई (कासं) जालोर में शनिवार को गर्मी व लू के प्रभाव से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक पुरुष व दो महिलाए हैं। जालोर में लू व गर्मी से अब तक ग्यारह लोगों की मौत हो चुकी है।

बताया जाता है कि जुबैदा बानू (75 वर्ष) पत्नी, हीरे खां, जो लाल

- **मरने वालों में दो महिलाएं व एक पुरूष है, जालोर में गर्मी व लू से अब तक 11 मौतें हो चुकी हैं।**

पोल में रहती थी, की तबियत घर में ही खराब हो गई थी फिर उसे राजकीय चिकित्सालय लाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया गया।

वहीं गीतादेवी (37) पत्नी उमाराम मेघवाल निवासी तीखी व जालोर शहर के वेरा भीमावाला लाल भाकरी निवासी 75 वर्षीय सूंगाराम पुत्र कस्तूरा राम की लू के कारण तबियत बिगड़ गई तो परिजन राजकीय अस्पताल लेकर आये। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने उन्हें 24 मई को सुबह भर्ती किया गया और 25 मई को उपचार के दौरान मौत हो गई।

चुनाव आयोग ने मतदान के पांचों चरण के टोटल मतों का आंकड़ा रिलीज़ किया

चुनाव आयोग द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा था कि, वह चुनाव आयोग को ये आंकड़े जारी करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मई। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के कल के निर्णय के बाद लोकसभा चुनाव के अब तक सम्पन्न पाँच चरणों में डाले गए कुल वोट्स के डेटा सार्वजनिक कर दिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा था कि चुनाव आयोग को वी.वी.पी.ए.टी. मशीन्स की कुल पर्चियों के हिसाब से वोटिंग प्रतिशत प्रकाशित करने के लिए बाध्य ना किया जाए।

चुनाव आयोग ने दोहराया है कि डाले गए वोट्स के डेटा को कोई भी बदल नहीं सकता है क्योंकि मतदान के दिन सभी प्रत्याशियों के पोलिंग एजेन्ट्स को यह डेटा फॉर्म 17 सी के जरिए शेयर किया जाता है। आयोग का कहना है कि चुनावी उम्मीदवारों के पास डाले गए कुल वोटों का डेटा हमेशा उपलब्ध रहता

- **चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि, हर प्रत्याशी के प्रतिनिधि को पहले ही फॉर्म 17 सी के मार्फत से यह जानकारी दी ही जा चुकी है और इससे हर पोलिंग बूथ पर कितने वोट पड़े हैं, आसानी से जाने जा सकते हैं।**
- **चुनाव आयोग के अनुसार किसी भी तरह फॉर्म 17 सी की डीटेल्स में परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।**

है और देश की जनता के लिए भी यह वोटर टर्नआउट ऐप पर हमेशा दिखाई देता है। चुनाव आयोग ने अपने एक प्रैस नोट में कहा है कि चुनावी प्रक्रिया को दूषित करने के लिए गलत इरादों के साथ मनगढ़न्त कहानियाँ बनाई जा रही हैं।

इसके अनुसार, इसलिए आयोग ने डाले गए कुल वोटों के डेटा के फॉर्मेट को और विस्तृत करने का निर्णय लिया जिसमें प्रत्येक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी वोटर्स की संख्या शामिल है और जिसे देश के नागरिक कुल मतदाताओं के वोटिंग प्रतिशत को सप्लाई कर देख सकते है।

वोटों के एकत्रीकरण और संचय की प्रक्रिया कठिन, पारदर्शी और सहभागिता से परिपूर्ण है। चुनाव आयोग और सभी राज्यों के उसके अधिकारी वैधानिकता बरतते हुए डाले गए कुल मतों के डेटा अपने सर्वश्रेष्ठ तरीके से प्रसारित करते रहे हैं। गत 19 अप्रेल से शुरु मतदान के प्रथम चरण से डाले गए कुल वोटों की जानकारी सार्वजनिक करने की पूरी कवायद सटीक, सुसंगत, त्रुटिरहित और चुनावी कानूनों के अनुरूप रही है। आयोग ने आमजन और प्रत्येक राजनीतिक पार्टी को डाले गए कुल वोटों की गणना और उन्हें जारी करने तथा फॉर्म 17 सी की निगरानी व उपयोग की विस्तृत प्रक्रिया के बारे में बताया है।

बेहतर समझ के लिए इस प्रक्रिया को एक-एक करके संक्षेप में समझाया गया है।

1. चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की लिस्ट को अंतिम रूप दिए जाने के बाद मतदाताओं की अंतिम सूची उम्मीदवारों को दी जाती है।

2. सभी 543 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवारों के अधिकृत एजेंटों के पास फॉर्म 17 सी होगा, करीब 10.5 लाख पोलिंग बूथों के लिए प्रत्येक।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'यदि मुझ पर हमला हुआ तो गुलाब चंद कटारिया जिम्मेवार होंगे'

उदयपुर, 25 मई (कासं)। आई.टी.सी. ममैंटोज़ मामले में कपिल सुराणा की 23 मई को हुई प्रैस वार्ता का जवाब देने के लिए एक दिन जेल में रहकर आए भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह झाला ने प्रैस कॉन्फ्रैंस कर वरिष्ठ भाजपा नेता गुलाब चंद कटारिया पर गंभीर आरोप लगाए। ज्ञातव्य है कि झाला को पुलिस ने हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया था।

झाला ने कहा कि ''मैं आदिवासियों का हक दिला कर रहूंगा। पूरा राजपूत समाज हमारे साथ है। सबने निर्णय किया है कि आंदोलन की तारीख तय करके उदयपुर कलेक्टरी की तरफ कूच करेंगे। भंवरलाल, प्रेमसिंह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। अगर नहीं ऐसा किया जाता है तो पांच दिन तक आंदोलन करेंगे, कलेक्ट्री पर धरना लगेगा। लॉ एंड ऑर्डर के लिए प्रशासन जिम्मेदार है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तानी युवती के जाल में फंसकर बीकानेर का अशोक बन गया अबूबकर

हिन्दू नेता उपदेश राणा की हत्या के लिए एक करोड़ रू. की सुपारी भी ली

बीकानेर, 25 मई (निस)। हिन्दू संगठनों के नेताओं की हत्या का षड्यंत्र रचने के मामले में सूरत क्राइम ब्रांच ने बीकानेर से पकड़े गए अशोक उर्फ अबूबकर को अदालत में पेश किया। अदालत ने 7 दिन का रिमांड दिया है।

क्राइम ब्रांच से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीकानेर के विश्वकर्मा गेट इलाके में रहने वाला अशोक सुथार (27) ने कला संकाय में स्नातक किया है। पढ़ाई के बाद उसने बीकानेर में एचआर कंप्यूटर इंस्टीट्यूट खोला था, जहां वह छात्रों को टाइपिंग सिखाता था। दो साल पूर्व दिल्ली में उसे ग्राफिक डिज़ाइनर की नौकरी मिली। उसी दौरान वह पाकिस्तान के तारिक जमाल और जाकिर नाईक के वीडियो देखकर इस्लाम की तरफ आकर्षित हुआ।

सोशल मीडिया के जरिए उसकी पाकिस्तान की करीब दस युवतियों इकरा रियाज, रमोना, अलीना, हाफिजा, अदीना, ताहिरा, माहि, हनिया, यमीमा, मंतसा, फरहीन के साथ दोस्ती हुई। वह उनके साथ चैटिंग करता था। इसके अलावा भी वह पाकिस्तान के कई लोगों के संपर्क में था। उनमें से एक से उसने अपने लिए काम मांगा। इस पर उसने उसे मौलवी सुहैल का नंबर दिया। सुहैल ने उसे एक करोड़ रुपए में हिन्दू नेता उपदेश राणा की हत्या की सुपारी दी। दोनों के बीच मौलवी के वॉट्सएप नंबर पर चैटिंग भी हुई थी। मौलवी ने उसे उपदेश राणा का फोटो भेजा था। उसके इस काम को अंजाम देने के लिए अशोक मौलवी से संपर्क करने का प्रयास कर रहा था, लेकिन संपर्क नहीं हुआ।

- **पैसा लेकर पाकिस्तान जाकर इकरा से शादी करना चाहता था अशोक सुथार।**
- **बीकानेर में कम्प्यूटर इन्स्टिट्यूट चलाने वाले अशोक सुथार की दिल्ली में ग्राफिक डिज़ाइनर के पद पर नियुक्ति हुई थी, वहीं वह सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी युवतियों के संपर्क में आया था।**
- **इन्हीं में से एक इकरा से उसे प्रेम हो गया, इकरा के झांसे में आकर उसने ऑनलाइन ही धर्म परिवर्तन किया तथा चरमपंथी संगठनों से जुड़ गया।**
- **गुजरात क्राइम ब्रांच को उपदेश राणा की हत्या की साजिश की जांच के दौरान अशोक के बारे में पता लगा। अदालत ने अशोक को 7 दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंपा है।**

क्राइम ब्रांच अशोक के अन्य संपर्कों के बारे में पूछताछ में जुटी है। क्राइम ब्रांच ने उपदेश राणा की हत्या की साजिश के आरोप में मौलवी सुहैल को गिरफ्तार किया था। उसके बाद बिहार से मोहमद अली व महाराष्ट्र से शकील को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ के बाद क्राइम ब्रांच ने राजस्थान के बीकानेर से अशोक सुथार उर्फ अबूबकर को पकड़ा। ऑनलाइन चैटिंग के दौरान इकरा के साथ उसके प्रेम संबंध बन गए। इकरा ने उससे शादी के लिए इस्लाम धर्म अपनाने करने की शर्त रखी। इस पर उसने हाफिज़ा (कुरान शिक्षक) से कुरान के बारे में ऑनलाइन जानकारी ली और पाकिस्तान के किसी मुती जमशेद से संपर्क कर ऑनलाइन इस्लाम धर्म अपनाया। जमशेद ने उसे लगभग 25 बार कलमा पढ़वाया और फिर उसे अशोक की जगह मोहम्मद अबूबकर कादरी के रूप में इस्लामी नाम दिया गया।

पुलिस ने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. व उसके बनाए आतंकी संगठनों से जुड़ी महिलाओं के निशाने पर आम लोग भी हैं। वे सेना व महत्वपूर्ण पदों पर तैनात अधिकारियों के साथ व आम लोगों को भी सोशल मीडिया के जरिए हनीट्रैप में फंसा रहे हैं। सूरत क्राइम ब्रांच के पुलिस निरीक्षक के.आई. मोदी के अनुसार बीकानेर से पकड़े गए अशोक उर्फ अबूबकर के मामले में कुछ ऐसा ही सामने आया है। वह भी किसी इकरा के प्रेमजाल में फंसा। इकरा ने भावनात्मक रूप से उस पर काबू पाने के बाद उसे शादी का प्रस्ताव दिया। साथ ही धर्म परिवर्तन की शर्त रखी।

ब्रेन वॉश की पूरी प्रक्रिया के दौरान इकरा लगातार उसके संपर्क में रही। जब वह अबूबकर बन गया, तो उसे हिन्दू नेताओं की हत्या की साजिश में शामिल किया गया। अबूबकर ने उपदेश राणा की हत्या के लिए उसे एक करोड़ रुपए देने की बात की थी। इन रुपयों का उपयोग कर वह इकरा तक पहुंचकर उससे शादी करने के सपने देख रहा था।